PGDLL-05

December - Examination 2018

PGDLL Examination

Labour Jurisprudence and the I.L.O.

Paper - PGDLL-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) P.I.L. (Give full form) - लो.हि.वा. (पूर्ण नाम)

(ii) Jurisprudence - विधि शास्त्र

(iii) Lok Adalat - लोक अदालत

(iv) Labour - श्रमिक

(v) Tribunal - अधिकरण

(vi) Labour welfare - श्रमिक कल्याण

(vii) Labour Courts - श्रम न्यायालय

(viii) Human Courts - मानव अधिकार

(ix) Living Wages - जीवन निर्वाह मजदूरी

(x) Human dignity - मानव गरिमा

Section - B $4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) Discuss the various principles of Social Justice.
सामाजिक न्याय के विभिन्न सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए।

3) What are uses of International Labour office? Discuss.
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय का क्या उपयोग है? समझाइए।

4) Write short note on "Social Justice" with illustration.
दृष्टातों सहित ''सामाजिक न्याय'' पर संक्षिप्त में लेख लिखिए।

5) Discuss the origin and development of International Labour Organisation.
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की उत्पत्ति एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

6) Up to what extent the concept of Labour Jurisprudence has been incorporated in the Indian Constitution? Discuss.
भारतीय संविधान के अन्तर्गत श्रम विधिशास्त्र की अवधारणा को कहाँ तक समाहित किया गया है? समझाइए।

7) What do you mean by International Labour Standards? Discuss its Importance.
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम मानदण्डों से आप क्या समझते हो? इसके महत्व की विवेचना कीजिए।

8) Write short note on International Labour organisation and Human Rights.
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और मानव अधिकारों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

9) Discuss the Role of Judicial activism for workers.
न्यायिक सक्रियता की भूमिका की श्रामिकों हेतु विवेचना कीजिये।

Section - C $2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) Explain the meaning of the term Labour Jurisprudence. How Far have principles of Natural Justice been applied in Labour Jurisprudence? Discuss.
श्रम विधि शास्त्र शब्द का अर्थ समझाइए। नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्तों को किस स्तर तक श्रम विधिशास्त्र में प्रयुक्त किया गया है? विवेचना कीजिए।

11) What is the utility of collective bargaining in the settlement of Industrial disputes? Explain in detail.
औद्योगिक विवादों को निपटाने में सामूहिक सौदेबाजी की क्या उपयोगिता है? विस्तार से समझाइए।

12) There are various Invovisions in the Indian Constitution for the welfare of Labour. Explain with the help of decided cases.
श्रमिकों के कल्याण से सम्बन्धित विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख भारतीय संविधान में किया गया है। निर्णीत वादों की सहायता से विवेचना कीजिए।

13) Discuss any leading case of this course with facts. Judgements and principles of law involved.
अपने पाठयक्रम को प्रमुख वाद के तथ्य, निर्णय एवं विधि के प्रमुख प्रतिपादित सिद्धान्तों की विवेचना कीजिये।

———